MATA KE BHAJAN LYRICS IN HINDI PDF

माता के भजन हिंदी में | Mata Ke Bhajan Lyrics in Hindi

Mata Rani Bhajan Lyrics

तर्ज - अब में मर-मर के जीने लगा हूँ

अब तो तेरा सहारा है मैया,
दिल ने तुझको पुकारा है मैया।।

(1) तूने सबकी है बिगड़ी बनाई,
मेरी वारी क्यों देर लगाई,
ये कैसा इशारा है मैया,
दिल ने तुझको पुकारा है मैया।।

(2) जैसे राखोगी वैसे रहूँगा,
सुख भोगे हैं दुःख भी सहूँगा,
क्यों बनाके के बिगाड़ा है मैया,
दिल ने तुझको पुकारा है मैया।।

(3) माँ करदे दया की तू दृष्टि,
जग जननी तेरी है श्रृष्टि,
क्या तूने विचारा है मैया,
दिल ने तुझको पुकारा है मैया।।

(4) तेरी भक्ति में मन बट रहा है,
धीरे-धीरे समय कट रहा है,
परषोत्तम तुम्हारा है मैया,
दिल ने तुझको पुकारा है मैया।।

Navratri Bhajan 2021

तर्ज - छोड़ेंगे ना हम तेरा साथ ओ साथी मरते दम तक

दो. मूरत तेरी देखकर माँ आया मुझको ध्यान।
नाम तेरे पर हो गया मैया मैं कुर्बान।।

कैसा है तेरा संसार माँ मुझे इतना बतादे
इतना बतादे धीर बधाँदे।
समझ न आये, तू समझादे ।। कैसा है तेरा संसार....

(1) एक घर से डोली निकलेगी एक से अर्थी जाये।
यहाँ खुशी शहनाई बाजे, उस घर मातम छाये।।
क्यों ना इनके भाग्य जगादे
समझ न आये तू समझादे....
कैसा है तेरा संसार माँ मुझे इतना बतादे

(2) दीपक घर घर में जलते हैं फिर भी क्यों अंधियारी।
निर्धन के घर मातम छाया एक घर मने दिवारी।।
इनके दीपक क्यों न जलादे
समझ न आये तू समझादे...
कैसा है तेरा संसार माँ मुझे इतना बतादे

(3) एक सोता है भूखा घर में इक घर में मौज उड़ाये।
माँ तेरी ये कैसी परीक्षा मेरी समझ न आये।।
दुखियों के दुःख क्यों न मिटादे
समझ न आये तू समझादे...
कैसा है तेरा संसार माँ मुझे इतना बतादे

Durga Maa Bhajan

(4) जो सच्चाई पर चलता है चैन नहीं वो पाये।
साँची कहे सुने ना कोई, दुनिया हँसी उड़ाये।।
इन आँखो के परदे हटादे
समझ न आये तू समझादे...
कैसा है तेरा संसार माँ मुझे इतना बतादे

माता रानी भजन लिरिक्स
तर्ज - हुजूर आते आते बहुत देर कर दी

शैर - तारदे माँ तारदे सब भक्तों को तारदे।
किस्ती फँसी मझधार मैं आकर पार करदे।।

दर्शन की मेरे मन में लगी है।
दर्शन तू देजा माँ शेरावाली।।

(1) तुम्हारे दर पर कोई आया भिखारी।
आ जाओ चढ़कर अम्बे शेर की सवारी।।
बिगड़ी बनादे कलकत्ते वाली
दर्शन तू दे जा माँ शेरावाली

(2) कहाँ पर मईया तूने देर लगाई।
आकर के अम्बे माँ कर दो सहाई।।
भक्तों की नैया तू ही रखवाली...
दर्शन तू दे जा माँ शेरावाली

(3) मैया को जो कोई प्रेम से ध्याये।
उसकी भी नैया माँ पार लगाये।।
दुखियों के दुःख को हरने वाली...
दर्शन तू दे जा माँ शेरावाली

(4) गोपाल मण्डल माँ तुमको मनाये।
निशिदिन माँ तेरी ज्योति जलाये।।
शर्मा की झोली भरो मैया खाली ...
दर्शन तू दे जा माँ शेरावाली

Durga Maa Bhajan Lyrics

तर्ज - अगर कहीं पर रहते हो तो देना इस पर ध्यान

है माँ की ममता सबसे महान,
अगर न होती माँ ममता जग में, तो होती न कोई जान

(1) सतयुग में सती माता ने, माँ की ममता जानी है।
बिना बुलाये पीहर जाने की, ठान ये अपनी ठानी है।।
माँ ममता के कारण माँ ने तज दये अपने प्राण...
है माँ की ममता सबसे महान

(2) त्रेता में कोई लव और कुश ने माँ की ममता निहारी है।
इनकी कीरत से लिखी गई, रामायण अति प्यारी है।।
अश्वमेध का घोड़ा पकड़ा बुला लिये भगवान...
है माँ की ममता सबसे महान

(3) द्वापर में देवकी जसुदा ममता मयी कहाई है।
इन सब देवों की दुर्गा शक्ति क्षमता मयी कहाई है।।
ममता की खातिर कर्णवीर ने दिया जान का दान...
है माँ की ममता सबसे महान

(4) जिस माँ ने हमें जन्म दिया है उसका ऊँचा दर्जा है।
दूध नहीं हमें खून पिलाया उसी खून का कर्जा है।।
परषोत्तम कहते माँ की ममता जानें कोई इंसान...
है माँ की ममता सबसे महान

Languriya Bhajan Lyrics

तर्ज - पानी में लहरा ले रही राजा बेल सिंघाड़े की

मैया बैठी है बीच भवन में लांगुर दरश करइयो रे

(1) मनुआं मेरौ चैन न पावै
मोको माँ का विरह सतावै
मोको विपदा रही सताय लांगुरिया इसे टलइयो रे

(2) माता दयावान मेरी भारी
बैठी सिंह की आज सवारी
बिगड़े काम बनाती सबके उससे मोय मिलइयो रे

(3) मन में आशा लेकर आई
मात मोय देती नहीं दिखाई
मन के कुंठित भाव हमारे लांगुरिया उन्हें जगइयो रे

(4) मेरे मन की समझ लांगुरिया
ले चल संग में पकड उंगरिया
मुझसे इकली चलौन जाय महावीर जोर लगइयो रे

Best Mata Rani Bhajan Lyrics

तर्ज- वृज भूमि

देवी मैया का सजा है दरबार लँगुरिया
चलो तो दर्शन कर आवै।।

(1) चहल पहल तो भारी हो रही,
बैठी है भवन में भोरी मात
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

(2) अब तो अँधेरा काफी है गयौ,
देख चलना होय प्रभात
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

(3) कोई चढ़ावै माँ पर नारियल
कोई चढ़ावै चना भात
लँगुरिया चलो तो दर्शन करि आवै

(4) जाती तो आय रहे देश विदेश के
महावीर नवाय रहे माथ
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

Latest Mata Rani Bhajan Lyrics

तर्ज - लाँगुरिया मेरी बड़ी होशियार पानी पै रेल चलावै

लाँगुरिया मेरौ बड़ो होशियार मैया के दरश करावै।

(1) देश देश के जाती अवै।
सब हिल मिल के दर्शन पावै।
जिय सब को लेत निहार।

(2) मैया की साड़ी सतरंगी।
दर पर शेर खड़े हैं जंगी।
शोभा अपरम्पार।

(3) मेंहदी रच रही माँ के हाथों

बिंदिया से दमकत है माथो।
जुड़ रही भीड़ अपार।

(4) सिंह सवार हो बैठी भवन में।
राज कर रही अतुल पवन में।
महावीर खुश हैं बेशुमार।

mata rani bhajan lyrics for kirtan

तर्ज - रघुनन्दन फूले न समाय

देवी मैया का सजा है दरबार
दर्शन को आये हरे-हरे दर्शन को आये सब जाती।

(1) बड़े-बड़े नैना मैया के कानन कुंडल सोहे।
हाथ त्रिशूल भुजा बलशाली मेरे मन को मोहे।
दर्शन को आये हरे-हरे दर्शन को आये सब जाती

(2) सिंह सवारी हो के माता भृकुटि तान मतबारी।
चूड़ी भर भर हाथ पहन ली मेंहदी लग रही न्यारी।
दर्शन को आये हरे-हरे दर्शन को आये सब जाती

(3) लाल चुनरिया ओढ़ के मैया दीख रही सतरंगी।
दरवाजे की शोभा कर रहे सिंह खड़े हैं जंगी
दर्शन को आये हरे-हरे दर्शन को आये सब जाती

(4) दया दृष्टि सब पर करती हो समता का व्यवहार।
महावीर तो सेवक तेरा कर मैया उद्धार।
दर्शन को आये हरे-हरे दर्शन को आये सब जाती

mata rani bhajan lyrics in hindi

तर्ज- बहर

मेरी भोली मैया का सजा है दरबार, दरश को मैं तो जाऊँगी।

(1) ऊँचे पर्वत भवन बना है शोभा अपरम्पार।
मैया मेरी बड़ी दयालू करती हैं बेड़ा पार।

ऐरे मोको मैया के दरश की दरकार, दरश को मैं तो जाऊँगी।

(2) सोने का सिंहासन माँ का सावल पिण्डी शो है।
हीरा जड़ी पहन के साड़ी सबके मन की मौहे।
ऐरे कौंदा नगन को रहयो है जामें भार, दरश को मैं तो जाऊँगी

(3) बड़े बड़े नैना मैया के दीख रहे रतनोर।
चौरासी घंटा लटके हैं मैया तेरे द्वारे ।
ऐरे लाँगुर ढोर रहा है तेरी ब्यार, दरश को मैं तो जाऊँगी

(4) नौ देवी आय रही क्वार की माँ दर्शन को जाऊँ।
दर्शन करूं प्रेम से माँ के चरणों शीश नवाऊँ।
एर महावीर हो जायेगा तेरा तो उद्धार, दरश को मैं तो जाऊँगी

mata rani ke bhajan lyrics

तर्ज- चन्दा के उजियारे में, धक धक जिया हमारे में

मैया तेरे द्वारे में, हो जाय पार सहारे में।
मैं भी तेरे दर को जाऊँ दिल उमड़ा भाव हमारे में।

(1) ऊँचे पर्वत भवन बना माँ ध्वजा रही फहराई है।
देश देश के आय रहे जाती श्याम घटासी छाई है।
संग लाँगुर वीर हमारे में, लगा रहा जयकारे मैं,
मैं भी तेरे दर को जाऊँ दिल उमड़ा भाव हमारे में

(2) लोग सुपारी, ध्वजा नारियल तो परमात चढाय रहे।
शेरावाली के जयकारे मन से सभी लगाय रहे।
याद करें तोय हारे में, लग जाय नाव किनारे में,
मैं भी तेरे दर को जाऊँ दिल उमड़ा भाव हमारे में

(3) नव का पार लगादे मैय ये अरदास हमारी है।
खता माँफ मेरी सब कर दे तू जग की महतारी है।
महावीर के तनक इशारे में, पहुँची तेरे द्वारे में,
मैं भी तेरे दर को जाऊँ दिल उमड़ा भाव हमारे में

Languriya Bhajan in Hindi Lyrics

तर्ज- भरतपुर लुट गया रात मेरी अम्मा

लाँगुरिया रस्ता रोक रहा, ओ शेरावाली

(1) मैं तो आई मैया दर्शन करने,
लँगुरिया मुझे टोक रहा, ओ शेरावाली

(2) संग की सहेली मेरी एक नहीं आई।
मेरे दिल में शोक रहा, ओ शेरावाली

(3) कैसे मैं मैया दिल समझाऊँ,
बिगड़ पर लोक रहा, ओ शेरावाली

(4) दरशन माँ के मैं करने न पाई
महावीर करमठोक रहा, ओ शेरावाली

mata rani bhajan in written

तर्ज- मेरी कमर पड़ा लहराय चुटीला काली रेशम का

मन क्यो रहा तू घबड़ाय, माँ बैठी है खोल खजाने को।

(1) बिगड़ी को मात बनाती है।
वह दौड़ी दौड़ी आती है।
रही नंगे पैरों घाय, माँ बैठी है खोल खजाने को

(2) माँ इच्छा पूरी करती है।
दु:खियों के दु:ख को हरती है।
रही सबको गले लगाय, माँ बैठी है खोल खजाने को

(3) जो माँ की करता है भक्ति।
उसको तो मिलती है मुक्ति।
मन काहे रहा पछताय, माँ बैठी है खोल खजाने को

(4) महावीर विचार करो मन में।
ब्याधा कट जाये एक क्षण में।
भव सागर से तर जाय, माँ बैठी है खोल खजाने को

mata ke bhajan lyrics in hindi font

तर्ज - दुपहरी लटके दार वरना मेरौ किनने सजायो।

मेरे मन में खुशी अपार दरश में करने जाऊँगी।।

(1) माँ ने ओढ़ रखी है साड़ी।
जामें नग दमकत है भारी।
जापै छाय रही छटा अपार, दरश में करने जाऊँगी

(2) कानन में कुंडल दमकें।
पैरों में बिछुआ खनकें।
केशन पर अजन बहार, दरश मैं करने जाऊँगी

(3) है रही घंटन की घनघोर ।
भवन में कूजें पपिया मोर।
माँ की है रही जय-जयकार, दरश मैं करने जाऊँगी

(4) परसूं जाय चरण मैया के।
संग मैं जाय रही मैया के।
महावीर जुड़ रही भीड़ अपार, दरश मैं करने जाऊँगी

mata rani ke bhajan ki lyrics

तर्ज-मल्हार

मैं तो आज जाय रही मैया के दरबार को जी।
ऐजी मेरे हृदय में हम्बै मेरे हृदय में खुशी है अपार।।

(1) फुर्ती शरीर में मेरे अति आय गयी जी।
ऐजी मोय जानौ है हम्बै मोय जानौ है मैया के द्वार।।
मैं तो आज जाय रही मैया के दरबार को जी

(2) दुनिया का जाती आवे मैया दरश को जी।
ऐरे अपने हाथों से हम्बै अपने हाथों से करूँगी श्रृंगार।।
मैं तो आज जाय रही मैया के दरबार को जी

(3) भोग लगाऊ माँ का प्रेम से जी।
ऐरे महावीर मोको तो हम्बै महावीर मोको तो दरश की दरकार।।

मैं तो आज जाय रही मैया के दरबार को जी

Mata Ke Bhajan Lyrics in Hindi

तर्ज - गम दिये मुश्किल

सुन लो माता मेरी क्यों लगाली देरी, जल्दी आजा
मैया अपने दरश तू करा जा

(1) हैं नैना विकल मेरे भारी,
वाट जो हैं हम मैया तुम्हारी,
आश में हूँ तेरी, विनती सुनले मेरी हलुआ खाजा

(2) आदि शक्ति हो तुम महतारी
अवतो रखलो ये लज्जा हमारी
दिल मेरा विकल प्राण जायें निकल धैर्य दिलाजा

(3) नल की तुमने ही लज्जा संभारी
माँफ करदो सब गलती हमारी
सब के संकट हरौ अब क्यों देरी करौ लाज बचाजा

(4) तुमको कहते सभी प्रति पाली
मेरी झोली को छोड़ो न खाली
महावीर शर्मा कहें, ये हर्दपुर रहें कर्तव्य निभाजा

mata rani bhajan lyrics in hindi language

तर्ज- दुपहरी लटके दार वरना मेरा किनने सजायो री

मैया पर रूप अपार दरश को मैं तो जाऊँगी

(1) मैया पंडन खूब सजाई।
जापै अजब छटा है छाई।।
आरत जाकी रहे उतार दरश को मैं तो जाऊँगी

(2) नैना माँ के बहुत विशाल।
जाके गल मुंडन की माल।।
दर पर ठाड़े सिंह अगार दरश को मैं तो जाऊँगी

(3) माता की सिंह सवारी।
मृकुटि तान लगे मतवारी।।
छवि साड़ी की अपरम्पार दरश को मैं तो जाऊँगी

(4) ओढ़ी माँ ने लाल चुनरिया।
लगती जैसे कोई गुजरिया।।
महावीर खुश हैं वे सुम्मार दरश को मैं तो जाऊँगी

mata ke bhajan lyrics mein

नमन करूँ मैं प्यारी माता तुझको सौ-सौ बार

(1) कर मैं ऐसी माँ को प्यार।
दिखाया जिसने ये संसार।
पिलाया अपना दूध अपार।
बुलाने में दिखलाया प्यार।

(2) सिखाया चलना उसने मोय।।
बात करने में जाती, भोय।
प्यार वही दिया जो माँ का होय।
दुःख में नैना लेय भिगोय।

(3) गुरु सबसे पहली है मैया।
कराया ज्ञान पिता और भैया।
दुःखों में पार लगाती नैया।
स्वभाव में लगती जैसे गैया।

(4) आचरण शुद्ध दिया बतलाय।
करना आदर दिया सिखाय।।
अनुभव सारे दिये बताय।
शिक्षण में रुचि दई बढ़ाय।
ऐसी माता मिले महावीर मुझ को बारम्बार

new mata rani bhajan lyrics

तर्ज- रघुनन्दन फूल ने समाय लगुन

देवी मैया का सजा है दरबार,

दिखायला मोय हरे हरे दिखायला मोय लाँगुरिया

(1) देश देश से जाती आय रहे हैं रही जय जय कार
मैया बैठी है बीच भवन में कर सोलह श्रृंगार

(2) सिंह सवारी होकर माता दीख रही मतवारी
घंटन की घनघोर है रही ध्वनि लागत है प्यारी

(3) लाल चुनरिया ओढ़ रखी है माँ ने अपने तन पर
जाके भेंट करूँ मैया की मेरे आय रही मन पर

(4) भक्तन की प्रतिवाली मैया दया करत है छन में
महावीर ऐसी माता तो समाय गई है मेरे मन में

mata ke bhajan lyrics in hindi pdf

तर्ज - माँ का लांगुरिया

माता मैया के दरश को संग लिवाय चल लाँगुरिया।

(1) माता बड़ी दयालु है कर देंगी दु:ख दूर
देशाटन का लाभ तो मिल जाये भरपूर
मिल जायेगा भरपूर माता की ओढ़ू कामरिया

(2) पर जाके मात को देंगी भोग लगाय
ध्वजा नारियल ले चलू माँ पर दऊँ चढाय
माँ पर दऊँ चढाय संग में लेलऊँ गागरिया

(3) बारौ लाला गोद है जाकौ मुंडन दें करवाय
हवन करूँ माँ भवन में दीपक दऊँ जराय
दीपक दऊँ जराय संग में ले लऊं सामरिया

(4) एक पंथ दो काज हों तोको रही समझाय
खर्च दुबारा नहीं पड़े रहा महावीर संग जाय
महावीर संग जाय सहज ही कट जाय डागरिया

mata rani ke latest bhajan lyrics

देवी मैया के भवन की गैल बतइयो लाँगुरिया।

(1) आई हूँ बड़ी दूर से मैं समझाऊ तोय।
दर्शन माँ के कर लऊँ नैक यतन बतादे मोय।
देवी मैया के भवन की गैल बतइयो लाँगुरिया

(2) पैर में झाले पड़े हैं, हो गयी भारी तंग।
इकली ही मैं चल पड़ी कोई न मेरे संग।
देवी मैया के भवन की गैल बतइयो लाँगुरिया

(3) मैया के जाय भवन में दर्शन लूँ मैं पाय।
ध्वजा नारियल संग हैं दूं मैं भेंट चढ़ाय।
देवी मैया के भवन की गैल बतइयो लाँगुरिया

(4) मेरे मन की बात पर लांगुर करियो गौर।
लड्डू तोय खवाऊँगी मिल जइयो याही ठौर।
देवी मैया के भवन की गैल बतइयो लाँगुरिया

(5) मैया बड़ी दयालु हैं कर देगी दुःख दूर।
महावीर बैठ भवन में दर्शन कऊँ भरपूर।
देवी मैया के भवन की गैल बतइयो लाँगुरिया

best mata bhajan lyrics

तर्ज- नखरारौ देवरिया

शेरावाली मात शरण मैं तेरी आयौ।
अलख लोक ब्रह्मण्ड जपै माँ भेदन न कोई पायौ।
तेरे जुदा हुए का मैया हमको विरह सतायौ।।

(1) जब-जब भीड़ पड़ी भक्तों पर तूने दिया सहारौ।
जिसने याद किया तुझो मैया सारा शंकट ढारौ ।
वचन तेरा गया नहीं खाली।

(2) कर कर याद रोय रही मंझा उसकी लाज बचाई।
सरस्वती भक्तन प्रतिपाली सिंह सजा कर लाई ।
विपति तुमने नल की टाली।

(3) महावीर है दास तेरा माँ क्यों रही देर लगाई।।
दुनियाँ इसको सता रही तू कर दे आय सहाई।।
करो तुम जाकी रखवाली।

mata rani bhajan with lyrics

तर्ज - लांगुरिया

देवी मईया के भवन की गैल बता दे लांगुरिया।

(1) इत उत क्यों भागा फिरे नैक सुन मेरी बात।
भवन बता माँ का मुझे जहाँ बैठी है मात।
जहाँ बैठी है मात, बता दे मोको डागरिया।

(2) कर लूंगी में दर्शन माँ के हो गयी भारी तंग।
इकली ही में चल दई कोई न मेरे संग।
कोई न मेरे संग बताऊँ तोको बाबरिया।

(3) गोदी में लाला मेरे तीजा संग न कोय।
टोसा में लड्डू धरे उन्हें खबाय दऊँ तोय।
उन्हें खबाय दऊँ तोय प्रेम से खइयो सावरिया।

(4) माता के दर्शन करूँ दूँगी शीश नवाय।
मन चाहा बर माँग लू जो महावीर को भाय।
महावीर को भाय उमर से हो गयी झाझरिया।

mata rani bhajan hindi lyrics

तर्ज - आय जईयो श्याम बरसाने गाम

मेरे उठे विरह की पीर भेज रही पाती तुम्हें बुलाने की।
करियो न भूल माँ आने की।।

(1) तुम सिंह की मात सवारी हो।
और सब जग की महतारी हो।
अब तो आजा शेरावाली सब बदली रीति ज़माने की।

(2) तेरे दर्शन को नयना दूखे।

तेरी याद में हम रह जाए भूखे।
मनुआ तो भारी विचलित है कोई बात न मिले ठिकाने की।

(3) हलुआ पूड़ी बनवाय दूंगी।
माँ तेरो भोग लगाय दूंगी।
सारी चीजें सजा रखी हैं मैया तेरे खाने की।

(4) तू अपना सिंह सजाय लईयो।
संग लांगुर वीर लिवाय लइयो।
महावीर का ह्रदय हिलोरे ले माँ नई - नई तर्जे गाने की।

mata ke bhajan lyrics song

प्रथम नमन मैं करता तुमको माता प्यारी।
रक्त माँस का दिया दान दुःख झेले भारी।।
पका-पकाकर उदर अवा में सुदृण किया है।
तेरे वक्ष स्थल से ही पयपान किया है।

मेरे रोने पर तुझको दुःख होता भारी।
जाग-जाग कर रात बिता देती हो सारी।।

झुला-झुला बाँहों पर मुझ पर लाड़ लढ़ाया।
लोरी गा-गाकर शान्ती का पाठ पढ़ाया।

तुतली बोली से मुझको मधुर दुलार दिया है।
खुशियाँ ह्रदय में भर भाषा का उपहार दिया है।

शब्द अनेकों बार आपने हैं दुहराया।
करा-करा अभ्यास आपने योग्य बनाया।।

रोना सुनकर दुःखी हुई सीना लिपटाया।
भूख प्यास तज कर मुझ पर लाड़ लढ़ाया।।

गीले में सोकर सूखे में मुझे सुलाया।
मेरी खातिर माता तूने कष्ट उठाया।।

हँसता देखा मुझे फूल सी तुम खिल जातीं।

स्वर्ग से सुन्दर सुख का अनुभव आप करातीं।।

सर्व-प्रथम गुरु बन रिस्तों का ज्ञान कराया।
आशीषों का हाथ आपने खूब बढ़ाया।।

अपने सारे अनुभव हमको दिये बताई।
शिक्षा में स्नेह आपने दिया बढ़ाई।।

सुख किये न्योछावर तुमने मेरे ऊपर।
कोटि कोटि प्रणाम मात सर चरणों धरकर।।

महावीर की विनय मात स्वीकार करो तुम।
तेरे आशीषों से सदैव फूले फलें हम।।

नहीं उऋण तुमसे हो सकते हम महतारी।
जन्म जन्म तुम मिलो लालसा यही हमारी।।

Durga Maa Bhajan Lyrics

कैसे जाऊं में दर से माँ दर्शन बिना,
मन मेरा ये तरसे माँ दर्शन बिना
(1) आश दर्शन की माँ मेरे मन में लगी है
आज आकर बुझादे ये मन में लगी
मेरा हृदय हरसे माँ दर्शन के बिना
मन मेरा ये तरसे माँ दर्शन बिना

(2) तेरी महिमा को माँ हमने जाना नहीं
मुझको आता तेरे गीत गाना नही
न तरु त्यारे दर से माँ दर्शन के बिना
मन मेरा ये तरसे माँ दर्शन बिना

(3) है निरंकार ज्योति में मैया मेरी
पार कर दे फंसी आज नैया मेरी
शीश काटूँ ये धड़ से माँ दर्शन बिना
मन मेरा ये तरसे माँ दर्शन बिना

(4) आदि शक्ति में शक्ति है माँ अम्बे तू

जगदम्बे जगत की जगदम्बे तू
नैन कंचन के बरषे माँ दर्शन के बिना
मन मेरा ये तरसे माँ दर्शन बिना

durga maa bhajan with lyrics

तर्ज-आय जैयो श्याम बरसाने गाँव

ऊँचे पर्वत आज मात ने अपनी झलक दिखाई है।
सूरति मेरे मन भाई है।

(1) चुनरिया ओढ़ी माँ ने लाल।
गले में है मुण्डन की माल।
नाक में नथनी कमर कौंधनी छटा कही नहीं जाई है।
सूरति मेरे मन भाई है।

(2) कानन कुंडल छवि न्यारी है।
चक्र, सुदर्शन, ढाल सँभारी है।
शंकट मोचन मात आप हैं भक्त रहे सब गाई है।
सूरति मेरे मन भाई है।

(3) सरस्वती भक्तन प्रतिपाली।
रम्यक मर्दन शैल व काली।
मातंगी तारावचनेशी, ले मेरी लाज बचाई है।
सूरति मेरे मन भाई है।

(4) अलख लोक ब्रह्माण्ड जपे तोय।
विनती करूँ ज्ञान दे जा मोय।
सिंह सवारी करके मैया महावीर की करो सहाई है।
सूरति मेरे मन भाई है।

Durga Maa Bhajan Lyrics in Hindi

तर्ज- आय जइयो श्याम बरसाने गाम

तेने पहनी चुनरि लाल मात तेरी लाल ध्वजा फहराय रही।
सूरति मेरे मन भाय रहीं।

(1) तू पहने चूड़ी हाथ लाल ।
है लाल ही टीका तेरे भाल।
सिंहासन की लाल छटा माँ मेरे मनै लुभाय रही।
सूरति मेरे मन भाय रही

(2) हथेली मेहंदी रची है लाल।
पैरों का महावर लाल ही लाल।
लाल ही लाली होंठ रचे माँ अजब कोटि छवि छाय रही।
सूरति मेरे मन भाय रही

(3) है फूलों का श्रृंगार लाल।
झूला की डोरी लाल लाल।
झूला पर रही झूल मात मेरी लम्बी पैग बढ़ाय रही।
सूरति मेरे मन भाय रही

(4) लाँगुर के कपड़ा लाल लाल।।
महावीर की लेखनी करे कमाल।
जो तेरी शरण में आ जाये वह लाल ही लाल खिलाय रही।
सूरति मेरे मन भाय रही

mata rani bhajan pdf

माता मैया के दरश को जरुर जाऊँगी।
ले चलियो लाँगुर संग में मैं दौड़ा जाऊँगी।

(1) चैत मास की आय रही नौमी, मोपै रहयौ न जाय।
जात करूंगी मैं मैया की, मन मेरौ ललचाय।
मैया के जयकारों की मैं धूम मचाऊँगी।
ले चलियो लाँगुर संग में मैं दौड़ी जाऊँगी

(2) ऊँचे पर्वत भवन बना है, ध्वजा रही फहराय।
लाल चुनरिया, ध्वजा नारियल, जाती रहे चढ़ाय।
मैं भी अपने मन के माफिक भेंट चढ़ाऊँगी।
ले चलियो लाँगुर संग में मैं दौड़ी जाऊँगी

(3) जो भी याचक दर पर आया। खाली कभी न जवै।

बड़ी दयालू दूर्गे मैया, सबको गले लगावै।
मन की बातें महावीर मैं करके आऊँगी।
ले चलियो लाँगुर संग में मैं दौड़ी जाऊँगी

famous mata rani bhajan lyrics

तर्ज- कौन दिशा में

मात भगवती आपको सुमिरू बारम्बार।
विघ्न हरन मंगल करन कर मेरा उद्धार।
मेरी रख लीजै लाज, मैया सारे हैं काज।।

(1) भक्तन की प्रतिपाली मैया आप गुणों की खान हो।
अपने भक्तजनों का रखतीं रम्यक हरदम ध्यान हो।
सच्चे दिल से याद करे जो रखती हो सम्मान हो।
तुम भक्तों की रही सदा सहायक।

(2) विनती बारम्बार भगवती करो आप स्वीकार हो।
घर घर तेरी होय आरती है रही जय जयकार हो।
तुझको आज पुकारूँ मैया करो विघ्न से पार हो।
मैं मूरख माँ तुम सब लायक।

(3) शैल, सुतेमा, माँ मातंगी अबज तुम्हारी शान हो।
तारा वचनेशी भोरी माँ मुनि जन धरते ध्यान हो।
मैं मूरख महिमा नहीं समझा नहीं हृदय में ज्ञान हो।
महावीर है तेरा पायक।

durga mata bhajan lyrics

तर्ज- रघुनन्दन फूले न समाय

तेरौ भवन बनौ है आलीशान दरश को धावै सर जाती।

(1) ऊँचे पर्वत भवन बना माँ शोभा अपरम्पार ।
पंडा निश दिन करें आरती है रही जय जयकार।

(2) देश-देश के आवै जाती जुड़ रही भीड़ अपार ।
हलुआ पूड़ी बटे भवन में है रही है ज्यौनार ।

(3) सिंहासन पर बैठी मैया नैना बडे विशाल।
माँथे ऊपर बिंदिया शोहे दमक रहा है भाल।

(4) लौंग सुपाड़ी ध्वजा नारियल चढ़ रहे बेसुमार।
महावीर चरणों का सेवक कर मैया उद्धार।

bhajan lyrics of mata rani

तर्ज- रघुनन्दन फूले न समाय

तेरौ भवन सजायौ मैंने मात पधारौ आय के भवन में

(1) नवम्भ लगाये हैं कला के पुष्प दिये बिखराय।
दरवाजे पर रंग बिरंगी माल दई हैं लटकाय

(2) गोरी कलश सजा के लाईं दीये हैं भरवाय।
धप दीप नौ वैद्य से मैया भवन दिया महकाय।

(3) चन्दन चौक पुरा के मैया आसन तेरौ लगायो।
मखमल की चादर बिछवाकर तकिया संग लगायो।

(4) हलुआ पूड़ी बनी रखी हैं आके भोग लगाओ।
वरद हस्त महावीर पर रखकर सेवक इसे बनाओ।

durga bhajan lyrics

तर्ज - ऐ साहिबे जनाब तू है कमाल

ओ वैष्णों माँ, तू है मेरी माँ,
सुहाना लगे माँ तेरा द्वार, भक्त बोले जयकार ,
द्वार लगे मेला हरबार,तू मेरी माँ

तेरे द्वार पे, ये माँ मेरी, तू दयालु है
देखे जिधर, मेरी नजर बस तू ही तू है
मेरे इस भोले मन को, माँ तेरी ही चाहत है
तेरी भक्ति में डुबामन, माँ तुझे पाने की चाहत है
तू है मेरी माँ.....

मेरे मन में माँ न जाने क्या अरमा हैं
ये भोली वैष्णों माँ अब तू मिले कहाँ हैं
मुझको तो तेरे दर पर आना,
माँ तेरे मन्दिर की गलियों में
मेरी माँ तेरी भक्ति के चर्च है दुनिया में
सुहाना लगे माँ तेरा द्वार ,
सुहाना लगे तेरे दर पर आना
तू है मेरी माँ.....

mata rani navratri bhajan lyrics

तर्ज -अफसाना बना के भूल न जाना

माँ अपने लाल को भूल न जाना,
भक्त बनाके दूर न जाना,
भक्ति मेरी निभाना,
अपने लाल को भूल न जाना

यु ही ना छोड़ना ,भक्ति न तोड़ना,
भक्ति मेरी भक्ति निभाना,
अपने लाल को भूल न जाना

ये क्या हुआ है, भक्ति का नशा है
मुझको मिल गयी माँ तुझसे भक्ति
अपने लाल को भूल न जाना

धोखा न देना माँ तुम कभी
माँ तेरे चरणों में ये मेरा मन है
अपने लाल को भूल न जाना

भक्त बनाके दूर न जाना
भक्ति मेरी निभाना
अपने लाल को भूल न जाना

mata ke bhajan lyrics filmi tarj par

तर्ज -मिले हो तुम तो हमसफ़र

माँ दर पर आऊँ तेरे में अगर, तो मुझको माँ उदास मत करना,
मन लगा है तुमसे, दूर नहीं माँ मेरे मन में ही रहना,
माँ, माँ, माँ, माँ, माँ, रे.....,

मैंने कहाँ सोचा था ,कि मन तेरे डर लग जाएगा
तेरी भक्ति का जादू मुझपे यूँ चल जाएगा
की मेरा मन लग जाएगा,
अब ना ये मन तुमसे हट पाएगा
मन लगा है तुमसे,दूर नहीं माँ मेरे मन में ही रहना
माँ, माँ, माँ, माँ, माँ, रे.....

अब तो मेरा मन लगे,ओ वैष्णों माँ तेरे बाँहो में
मुझको तो अब रहना है बस तेरी बाँहो में
मुझको तो अब मिले खुशी माँ तेरी दुआओं में
मन लगा है तुमसे,दूर नहीं माँ मेरे मन में ही रहना
माँ, माँ, माँ, माँ, माँ, रे.....

durga maa bhajan lyrics in hindi pdf

तर्ज - जब किसी की तरफ

हर तरफ लीला अम्बे की दिखने लगी।
बदली अमृत की काली बरसने लगी।।

ज्वाला सारे जगत में चमकने लगी।
बसुन्धरा खुश्बुओं से महकने लगी।।

आई दुर्गा जगत में मिली हर खुशी।
सारे भक्तों को जग में मिली हर खुशी।।

सारे संसार को फिर मिला फायदा।
प्यार आशीष वर फिर मिला फायेदा।।

जिन्दगानी हर नर की सुधरने लगी।
बसुन्धरा खुश्बुओं से महकने लगी।।

भूमि से दुष्ट दानव मिटाना ही था।

संसारी मानव को लीला दिखाना ही था।।

धर्म का पाठ जग को पढ़ाना ही था।
अत्याचार जग से मिटाना ही था।।

रण में तलवार मां की चमकने लगी।
बसुन्धरा खुश्बुओं से महकने लगी।।

जीना दृष्टों का दुश्वार होने लगा।
दानी दाती का चमत्कार होने लगा।।

दीन दुखियों का उपकार होने लगा।
भक्त माता का भव पार होने लगा।।

दास युनुस की किस्मत बदलने लगी।
बसुन्धरा खुश्बुओं से महकने लगी।।

durga maa bhajan song lyrics

तर्ज-तुम बिन जी न पाएंगे

माँ के बिन जी ना पायेगे, माँ तेरे दर आयेगे,
माँ तुझको मनाएंगे,
लाल हम तेरे है कह देना वैष्णों मातम,
लाल कह दो ना मुझसे मातम, कहदो.....

मुझको माँ तेरे दर आना,तेरे चरणों में खुशी पे मैंने जाना
तेरे चरणों में लगे दिल, बड़ी दूरी पे हैं तेरी मंजिल
दूर न रहूँ अब तुझसे, कह रहा हूँ मैं कसम से
जीना नहीं माँ तेरे बिन,
अब माँ तेरे बिन कहाँ जाएँ
हमतो माँ तेरे चरणों में आए
सूना सूना रहे माँ मेरा मन, कहदो.....

दूरी पे हैं माँ तेरा मन्दिर,
अब कैसे पहुँचेगी ये खबर
माँ तो सुनू हर पल तेरी आहट

मुझको लगी हैं माँ तेरी चाहत
मेरी तो यही ख्वाहिश मइया,
तेरे चरणों में है माँ मेरी खुशियां,
ये सुनलें तू मातम.....

तेरे बिन माँ कहाँ जाऊँ, तेरे चरणों में जीवन लुटाऊँ
अब तो तू मुझको पहचान ले,कहदो जा.....

Navratri Bhajan Lyrics

तर्ज- राधेश्याम

मंदिर में बैठी रहती हो कभी बाहर आया जाय करो।
मैं रोज तुम्हारे दर आता कभी मेरे घर भी आया करो।

(1) धूप दीप से कर पूजा मैं तुमको रोज मनाता हूँ।
हलुआ की थाली सजी रखी मैं तेरा भोग लगाता हूँ।
दुनियाँ का सताया हूँ मैया तुम मुझको नहीं सताया करो।
मैं रोज तुम्हारे दर आता कभी मेरे घर भी आया करो

(2) आकर मैं तेरे दरवाजे मस्तक भी खूब नवाता हूँ।
झाँझ मृदंग बजा करके तेरे गीत सुनहरे गाता हूँ।
जो गलती मुझसे बन जाये तो मुझको मात बताया करो।
मैं रोज तुम्हारे दर आता कभी मेरे घर भी आया करो

(3) दुनियाँ में भटकता फिरता हूँ दिल मेरे में कुछ ज्ञान नहीं।
बहुतेरा बाहर करता हूँ पर जाता ये अभिमान नहीं।
मुझको दर्शन की चाहत है मुझे दर्शन रोज कराया करो।
मैं रोज तुम्हारे दर आता कभी मेरे घर भी आया करो

(4) अगर तेरी नजर इनायत हो तो मुझ पर कुछ रहमत कर दे।
तेरे चरणों का सेवक हो जाऊँ मैया मुझको ऐसा वर दे।
महावीर मतिमन्द को ओ मैया तनक सहारा लगाया करो।
में रोज तुम्हारे दर आता कभी मेरे घर भी आया करो।।

mata ke bhajan lyrics download

मैया मोको बुलाय रही दरश को मैं तो जाऊँगी।
दरश को मैं तो जाऊँगी, दरश को मैं तो जाऊँगी।

(1) मन में भाव उमड़ रहा मेरे।
सैंया पैंया पड़ू में तेरे।
मोको दे तू टिकट कटाय।
दरश को मैं तो जाऊँगी

(2) मेरे मन में रही समाई ।
माँ ने मोको झलक दिखाई।
टोसा लँगी आप बनाय।।
दरश को मैं तो जाऊँगी

(3) समझो मोय न पिया अकेली।
जाय रहीं मेरे संग सहेली।
मार्ग में मेरौ मन लग जाय।
दरश को मैं तो जाऊँगी

(4) पिया बनौ नहीं वे पीर।
संग मेरे जाय रहे महावीर।
रस्ता सहज मेरौ कट जाय।
दरश को मैं तो जाऊँगी

mata ke bhajan full lyrics

तर्ज- चुटीला कारी रेशम का

मन भारी रही सिहाय, मैं दरश करुं जाय मैया के

(1) रतन जड़ित सर पहनी साड़ी
शेरन की जोड़ी दर ठाड़ी
माँ रही है पास बुलाय

(2) कानन कुन्डल छवि न्यारी है
जाने माँग सिंदूर सम्हारी है
लई मेंहदी हाथ रचाय

(3) कमर करघनी साज रही
बिछुआ ध्वनि पैरों बाज रही
लिया महावर पैर धराय

(4) सर पर लट शोहे घंघरारी
सजधज के मात लगे प्यारी
महावीर तो रहे सिहाय

Navratri Bhajan Lyrics in Hindi

तर्ज - आय जइयो श्याम

मैंने सपना देखा रात मात मोय अपने पास बुलाय रही।
वह अपनी झलक दिखाय रही।

(1) लग रही भवन में मतवारी।।
चुंदरिया ओढ़ महतारी।
पास मेरे आने को मैया अपना सिंह सजाय रही।
वह अपनी झलक दिखाय रही।

(2) चहुँ ओर घोर घंटन की है।
मंडली सजी पंडन की है।
सेवा रही कराय मात मन अपने खूब सिहाय रही।।
वह अपनी झलक दिखाय रही

(3) संग लाँगुर वीर पधारौ है।
मैया का देय जयकारी है।
मैया का श्रृंगार बना जापै अजव कोटि छवि छाय रही।
वह अपनी झलक दिखाय रही

(4) सोवत से मोय जगाय रही।
माँ धीरे-धीरे आय रही।
महावीर जाग कर पछताय माँ दौड़ी-दौड़ी जाय रही।
वह अपनी झलक दिखाय

mata rani ke latest bhajan lyrics

दोहा- (1) रामायण में नवधा भक्ति ऋषि मुनी रहे गाय।

देवीन में नौ देवी मैया दुर्गे रही कहाय।।

(2) शैल पुत्री प्रथम रूप है महिमा अजब तुम्हारी।
प्रकति और आयु की दाता धन्य धन्य महतारी।।

(3) द्वितीय रूप में ब्रहम चारिणी कहलाती हो आप।
सदा ज्ञान वैराग्य देउ माँ हरती हो सन्ताप।।

(3) रूप तीसरा चन्द्र घण्टा का तुम धारण करती हो।
तुम ही हो आराध्य शक्ति माँ बास हृदय करती हो।।

(4) कूष्माण्डा रूप तुम्हारा माँ चौथा कहलाया।
अन्नपूर्ती तुम करती हो भूपर अन्न उगाया।।

(5) रूप पाँचवा स्कंद माँ ने शक्ति अजब दिखाई।
गणपति खुश हो करें वन्दना आदि शक्ति कहलाई।।

(6) छटवाँ रूप कात्यायनी माँ जाने सभी जमाना।
दीन दुखी निवलों विकलों का भरती आप खजाना।।

(7) लिया काल को जीत आपने काली रूप में आती।
रूप सातवाँ धारण करके कालरात्रि कहलाती।।

(8) पूजत हैं गनगौर सुहागिन लेती मात सहारौ।
महागौरी का रूप कहावै अष्टम मात तुम्हारौ।।

(9) नौवाँ रूप सिद्धिदात्री तुमने मात लिया है।
अष्ट सिद्धि नौ निधि देकर जग का कल्याण किया है।।

(10) चरणों में मस्तक रख मैया पूजा करें तुम्हारी।
महावीर की निश दिन रखियों मैया देखा भारी।।

Sherawali Bhajan Lyrics

तर्ज- परदेशियों से न अखियाँ मिलाना

कहाँ जा छिपी हो ओ शेरावाली।

देखी भवन में मिला मुझको खाली।

(1) चहुँ ओर देखा मैंने मंजिल न पाई ।
तेरी याद में झेलें भारी हम तबाई ।।
सजा करके लाया हूँ हलुआ की थाली।
कहाँ जा छिपी हो ओ शेरावाली

(2) तेरी याद में मैया भारी तड़फडाऊँ।
दिल में विरह दुःख कैसे समझाऊँ।
आजा ओ शेरावाली भर दे खुश हाली।
देखी भवन में मिला मुझको खाली

(3) वाट जोहते हैं मैया रात दिन तुम्हारी।
दुःखी दिल में भारी विनय सुन हमारी।
निश दिन पंडा तेरी करें देखा भाली।
देखी भवन में मिला मुझको खाली

(4) गलती को भूलो मैया पास मेरे आओ।
नैनों में बसा लूंगा जो अबके मिल जाओ।
मालिक हो बगिया की महावीर माली ।
देखी भवन में मिला मुझको खाली

sherawali mata ke bhajan lyrics

तर्ज- नखरारौ देवरिया

माँ शेरा वाली शरण में तेरी आयौ।
प्रलयंकर माता आप हैं भेद न कोई पायौ।
तुम भक्तन प्रति पाली हो माँ तेरा विरह सतायौ।

(1) जब-जब भीडंपड़ी भक्तों पर तेने दियो सहारौ।।
जिसने याद किया तुझे मैया सारा संकट टारौ।
वचन तेरा गया नहीं खाली।
शरण मैं तेरी आयौ

(2) कर-कर याद दुमैती रोई उसकी लाज बचाई।
पल में प्रलय कर देती हो सब को देउ नचाई।

विपत्ति तुमने नल की टाली।
शरण मैं तेरी आयौ

(3) महावीर है दास तेरा माँ तेरे ही गुण गावै।
हाथ जोड़ के विनय करे माँ चरणों शीश झुकावै।
करो तुम जाकी रखवाली।
शरण मैं तेरी आयौ

mata sherawali ke bhajan lyrics

तर्ज - भरतपुर लुट गया रात मेरी अम्मा
मेरे सपने में आय गई, रात शेरावाली।

(1) भवन से चली मैया शेर की सवारी।
झलक दिखलाय गई, रात शेरावाली।

(2) गहरी निंदिया में सोवत जगाई।
वह मोतेबतराय गई, रात शेरावाली।

(3) हँस-हँस के बतराई मुझसे।
कुछ बातें समझाय गई, रात शेरावाली।

(4) मैंने हाल भवन का पूछा।
वह चुप्पी लगाय गई, रात शेरावाली।

(5) दर्शन करने भवन बीच अइयो।
महावीर को बुलाय गई, रात शेरावाली।

Sherawali Bhajan Lyrics in Hindi

तर्ज- भरतुपर लुट गया रात मेरी अम्मा

शेरावाली सजाय दई आज पंडन ने।

(1) सतरंगी साड़ी पहनाई,
हाथ मेंहदी लगाय दई, आज पंडन ने

(2) लाल चुनरिया सर पर उड़ाई
माँथे बिंदिया लगाय दई, आज पंडन ने

(3) रंग महावरी नाखून रचाये,
माँ सिंह पर बिठाय दई, आज पंडन ने

(4) नथुनी नाँक नीच पहनाई
होंठ लिपिस्टिक लगाय दई, आज पंडन ने

(5) बजने बिछुआ पैर पहनाये
कमर करघनी सजाय दई, आज पंडन ने

(6) रूप देख महावीर हरसाये
लौ माँ से लगाय लई, आज पंडन ने

sherawali song lyrics

तर्ज- झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में

तू सिंह सजाय लारी, ओ शेरा वाली मात भवन मेरे में आजारी।।
मेरे में आजा, मेरे में आजा, मेरे में आजारी।
ओ शेरा वाली मात भवन मेरे में आजारी।

(1) नैना बड़े-बड़े हैं तेरे सिंह की आप सवारी।
हाथ त्रिशुल भुजा बलशाली लग रही है अति प्यारी।
मोय दर्शन कराय जारी,
ओ शेरा वाली मात भवन मेरे में आजारी

(2) लाल चुनरिया ओढ़ के मैया दीख रही सतरंगी।
दरवाजे की शोभा कर रहे शेर खड़े हैं जंगी।
मोय झलक दिखा जारी,
ओ शेरा वाली मात भवन मेरे में आजारी

(3) भर-भर हाथन चूड़ी पहनी मेंहदी की छवि न्यारी।
कर सोलह श्रृंगार मात की छटा लगे मोय प्यारी।
मोय धीर बंधाय जारी,
ओ शेरा वाली मात भवन मेरे में आजारी

(4) करती हो तुम प्यार अपरमित दया दृष्टि अपनाओ।

दीन दुःखी कोई भी आये सबको गले लगाओ।
महावीर को अपनइयो री।
ओ शेरा वाली मात भवन मेरे में आजारी

sherawali maa bhajan lyrics

पहाड़ों वाली मैया तेरी सिंह पर सवारी।
सबको लगे प्यारी तू तो अष्ट भुजा धारी।

(1) नैना बड़े हैं तेरे भाल बिंदिया शोहे।
गल में वैजन्ती पहने मेरा मन मोहे।
कानन में कुन्डल मैया होठों मुस्कावै।
तेरी लटों की घटा मेरे मन भावै।
भक्तों की सुनने में करे न अवारी।।

(2) हाथ में त्रिशूल लेकर लगती हैं रानी।
शक्ति तुम्हारी मैया सब जग जानी।
सर पर मुकुट हाथ मेंहदी रचावै।
पहने हैं चुड़िया अपनी कलाई सजावै।
महिमा कहाँ तक मैया वर तुम्हारी।

(3) साड़ी तुम्हारी में हीरे जड़े हैं।
शेरों के जोड़े तुम्हारे दर पर खड़े हैं।
भक्त की रखती लाज दुष्ट कासंहार करै।
आता शरण में मैया उसका बेड़ा पार करें।
महावीर कहता मैया छटा लगे प्यारी।

maa sherawali bhajan lyrics

तर्ज- आय जइयो श्याम बरसाने गाँव

शेरावाली आज आय मोय अपनी झलक दिखाय जइयो ।
माँ अपना सिंह सजाय लइयो।

(1) बड़े-बड़े हैं तेरे नैना।
सर पर शोभा देता वैना।
भुजा तेरी बलशाली है माँ हाथ त्रिशूल लगा लइयो।

माँ अपना सिंह सजाय लइयो

(2) चुनरिया ओढ़ रखी है लाल।
दमकता मैया तेरा भाल।
पहन रखी साड़ी सतरंगी मेंहदी हाथन बीच रचाय लइयो।
माँ अपना सिंह सजाय लइयो

(3) हाथों में चूड़ी शोह रही।
छवि तेरी मन को मोह रही।
कर सोलह श्रृंगार मात मेरी कुटिया में तू आय जइयो।।
माँ अपना सिंह सजाय लइयो

(4) मात तू बने नहीं वे पीर।
सुमिर रहा आज तोय महावीर।
मजधार में नाव हिलोरें ले वन मल्हा जाय खिलाय जइयो।
माँ अपना सिंह सजाय लइयो

sherawali mata ke bhajan lyrics in hindi

तर्ज- आय जइयो श्याम बरसाने गाम

माँ भक्ति की ली है ओढ़ चुनरिया पार लगे तेरी नैया है।
वह बड़ी दयालू मैया है।

(1) संकट सब तेरे हर लेगी।
खाली झोली को भर देगी।
बरदान अनौखे देती है सम और न कोई दिवैया है।
वह बड़ी दयालू मैया है

(2) सबके भण्डारे भरती है।
इच्छा सब पूरी करती है।
सम दृष्टि से वह देख रही उसका तो यही रवैया है।
वह बड़ी दयालू मैया है

(3) वरदान न जाता खाली है।
क्षण में भरती खुशहाली है।
सिंह सवारी मैया की घर-घर है रहयौ चवैया है।

वह बड़ी दयालू मैया है

(4) नल को तेने संकट टारौ।
दानव दल मैया हनि डारौ।।
महावीर की नाव हिलोरे ले तो बिन ना कोई खिवैया है।
वह बड़ी दयालू मैया है

maa sherawali bhajan lyrics in hindi

तर्ज- तम्बू में तम्बू लगाये बैठे

माँ के दर्शन की आशा लगाये बैठे।
दिल को मैया के ऊपर लुटाये बैठे।।

(1) मैं तुम्हें मनाऊँ, तेरे गुणगान गाऊँ।
शीश चरण नवाता हूँ।
मैया तुझे मैं बुलाऊँ, अपना दुखड़ा सुनाऊँ
तुझे मैया मनाता हूँ।
द्वार आया तेरे, कष्ट हरलो मेरे,
माँ के दर्शन की आशा लगाये बैठे

(2) तेरी लीला अपार दुःख देती है टार।
तुझको सुमिरूं में मेरी माता।
लेती बिगड़ी सम्हार कोई पाया न पार,
तेरे दर पर कोई जो आता।
तू ही रक्षक है माँ, तू ही भक्षक है माँ,
माँ के दर्शन की आशा लगाये बैठे

(3) मन में लाया हूँ आश, मैं तो तेरा हूँ दास।
टारो कष्ट हमारे तुम।
दुःख आये न पास, महावीर को विश्वास।
मैया तेरे सहारे हम,
माँ के दर्शन की आशा लगाये बैठे

sherawali ke bhajan lyrics

तर्ज -आओ सुनाऊं प्यार की एक

आज हुई हूँ माँ की मैं दीवानी
सबसे बड़ी है माँ तेरी कहानी
माँ तेरे दर पे गया था, तब से तब कुछ पाया था
हम तो समझे नही थे, जो तूने किया था
आज हुई हूँ माँ की मैं दीवानी ...

जो भी कहते न थे,वो भी कहने लगे
जो भी सुनते न थे वो भी सुनने लगे
हो रही है खुशी मझको इस बात पर
जानने वाली बातें थीं अनजानी
सबसे बड़ी है माँ तेरी कहानी...

कभी तरसता था, कभी तड़पता था
माँ मिली इस तरह ऐसा होना न था
होनी न थी वो बात हो गई
माँ तेरे दर्शन की घड़ी आ गई
मन ने माँ से की मनमानी
आज हुई हूँ माँ की मैं दीवानी

mata ke bhajan lyrics in hindi font

तर्ज - लांगुरिया

देवी मैया का सजा है दरबार लँगुरिया
दरशन की मोय लालषा।

(1) बैठी है भोरी माता भवन में
वह कर सोलह श्रृंगार
लँगुरिया दर्शन की मोय लालषा

(2) दर्शन पाऊँ माँ के प्रेम से
मेरे दिल में खुशी अपार
लँगुरिया दर्शन की मोय लालषा

(3) जाती आय रहे देश विदेश के
और जुड़रही भीड़ अपार

लँगुरिया दर्शन की मोय लालषा

(4) सास ससुर संग जाय रहे ।
महावीर करो न अबार ।
लँगुरिया दर्शन की मोय लालषा

languriya bhajan lyrics in hindi

देवी मैया के दर्शन से मोय क्यों हटके लाँगुरिया।

(1) कर लिंदे मोय दरशन माँ के मै समझाय रही तोय।।
जो ना कहना माने मेरा तो खेंचा तानी होय।
देवी मैया के दर्शन से मोय क्यों हटके लाँगुरिया

(2) गोदी में लाला मेरी देख जाकौ मुंडन होय।
टोसा में लड्डू धरे उन्हें खवाय दऊँ तोय।
देवी मैया के दर्शन से मोय क्यों हटके लाँगुरिया

(3) मालूम पड़ जाय मात को तेरी ख्वारी होय।
आयी हूँ बड़ी दूर से मोकूँ देरी होय।
देवी मैया के दर्शन से मोय क्यों हटके लाँगुरिया

(4) माँ की करिके आरती दूंगी भोग लगाय।
विष्णा देवा जाऊँ फिर तो को रही बताय
देवी मैया के दर्शन से मोय क्यों हटके लाँगुरिया

(5) मन चाहा वर माँग लू दयावान है माता।
थोड़ा पीछे रह गया महावीर मेरे साथ ।
देवी मैया के दर्शन से मोय क्यों हटके लाँगुरिया

filmi tarj par mata rani ke bhajan lyrics

तर्ज- रघुनन्दन फूले न समाय

देवी मैया से लगा है मेरा हेत दरश को ले चल लाँगुरिया

(1) दर्शन करूं प्रेम से माँ के चढ़ा दऊँगी चोला।।
लोग सुपारी मेरे संग हैं और ले लऊँ गोला।

(2) करके दर्शन माँ अपनी के जीवन धन्य बनाऊँ।
वारौ कुँवर गोद में मेरी माँ को शीश नवाऊँ

(3) मोको सपना दिया मात ने जाके दर्शन पाऊँ।।
अपने संग में लऊँ सहेली छन्द मात के गाऊँ।

(4) दिल में शंका कोई नहीं है महावीर है संग।
मैया के जयकोर सुनके पन्डा रह जाँय दंग।

mata rani bhajan lyrics hindi

तर्ज- ब्रजभूमि

देवी मैया ने करौ है श्रृंगार,
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

(1) माँ कौ भवन बना आलीशान है।
जापै छाय रही अबज बहार,
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

(2) जाती उमडै माँ दरबार में,
जापै लग रही लम्बी कतार,
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

(3) बज रहे घंटा माँ के भवन में,
और है रही जय जयकार,
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

(4) मन महावीर का भी कर रहा
जाके संग में भीड़ अपार
लँगुरिया चलो तो दर्शन कर आवै

mata ke bhajan lyrics hindi mein

मैं तो करने आई हूँ जात लँगुरिया,
भवन में झंगा झोटी मत करे।

(1) मेरे सर पर टोसा बँध रहो,

मेरौ दूख रहा सब गात,
लँगुरिया भवन में झंगा झोटी मत करे

(2) मोते करो दूर से ही बात है,
और मती लगावै हाथ
लँगुरिया भवन में झंगा झोटी मत करे

(3) इकली ही मैं तो चल दई
और कोई न मेरे साथ,
लँगुरिया भवन में झंगा झोटी मत करे

(4) जो खबर पड़े महावीर को,
तेरा तोड़ देयगा हाथ
लँगुरिया भवन में झंगा झोटी मत करे

mata rani ke bhajan ke lyrics

तर्ज - लांगुरिया

मेरौ दे श्रृंगार बनाय दरश को जाऊँ लाँगुरिया।।

(1) नाक नथुनियाँ कमर करघनी मोय देउ पहनाय।
गोरे-गोरे हाथन पर तुम मेंहदी दो रचवाय।।
मेंहदी दो रचवाय पहन हूँ माँ की घाँघरिया।।

(2) सतरंगी साड़ी पहनाय के मोको देउ सजाय।
पाँय पैंजनी, माँथे बिंदिया मेरे देउ लगाय।
मेरे देउ लगाय बताऊँ तो को बावरिया।

(3) पैरन में बिछुआ मेरे बजने दो पहराय।
लाल लिपिस्टिक मॅगा के मेरे होट देउ रचवाय।
होट देउ रचवाय ओढ़ लें सर पर चादरिया।

(4) रंग महावरी से मेरे दो नाखून रचाय।
देख महावीर होंय खुश हूँ श्रृंगार बनाय।
लँ श्रृंगार बनाय मात संग पडि जाय भामरिया।।

mata rani ke bhajan lyrics

तर्ज - लांगुरिया

देवी मैया के दरश की आश लगाय रही लाँगुरिया।

(1) सतरंगी साड़ी पहनी जामें नग दमकत है भारी।
कजरारे नैना मैया के सिंह की करे सवारी।।
सिंह की करे सवारी, बताऊँ तो को बावरिया।

(2) कानन कुँडल गल वैजन्ती माँथे बिंदिया शोहै।
हाथ त्रिशूल भुजा बलशाली भृकुटि मन को मोहै।।
भृकुटि मन को मौहे समझले प्यारे लाँगुरिया।

(3) धक्का मुक्की खाय अकेली माँ के दर तक आई।
ध्वजा नारियल भेंट करूं मैं मन में रही सिहाई ।।
मन में रही सिहाय बता नैक मोको डागरिया।।

(4) मैया बड़ी दयालु है कर देंगी दु:ख दूर।
महावीर जाय भवन में मैं दरश करूं भरपूर ।
दरश करूं भरपूर बताय रही तोको बागड़िया।

lyrics of mata rani bhajan

तर्ज - लाँगुरिया

लँगुरिया पट खोल दे मैं माँ दर्शन को आई।
माँ दर्शन को आई मैं माँ दर्शन को आई।।

(1) बड़ी दूर से आई हूँ मैं कोई न मेरे संग।
पट क्यों बंद कर रखे तूने क्यों करता है तंग।

(2) टोसा सर पर बँधा हुआ है दूखे बदन हमारी।
मैया के दर्शन करने को दे दे तनक सहारी।

(3) दर्शन करके भोग लगाऊँ मैं समझाय रही तोय।
करूं शिकायत में मैया से जो तंग करे तू मोय।

(4) विष्णा देवी के दर्शन को फिर जाना हैं मोय।
टोसा में लड्डू धरे उन्हें खलाय दें तोय।

(5) महावीर मेरी वाट जोह रहा मोको जल्दी भारी।
एक दिना से रूकें न ज्यादा मेरी है लाचारी।

New Mata Rani Bhajan Lyrics

मोते मती बढ़ावै रार लँगुरिया तेरी जेल कराय दूँगी।

(1) कहा औकात लँगुरिया तेरी।
रस्ता रोक लई है मेरी।
झंगा झोटी करे मात पर तेरी खबर पढ़ाय दूँगी।

(2) जरा शरम नहीं आवै तोकें।
दर्शन से तू रोके मोकें।
जो नहीं माने कहन हमारी तेरी हुलिया तंग कराय दूँगी।

(3) थानेदार है ससुर हमारौ।
कटवाऊँ वारन्ट तुम्हारौ।
हाथ हथकड़ी पहनाय के, तोय थाने बीच बुलाय लूंगी।

(4) दिवला जोर धरूं में धीके।।
सब अरमान होय तेरे फीके।
टेलीफोन मिलाय पास महावीर को मैं बुलवाय लूंगी।

लांगुरिया भजन लिरिक्स

तर्ज - लागुरिया

मैं तो आई हूँ मैया के दरबार लँगुरिया,
दर्शन माँ के मोय कर लिंदे।

(1) मेरे मन में दरश की है लालषा,
तू कर रहा खोटी बात
लँगुरिया दर्शन माँ के मोय करवा लिंदे

(2) रस्ता रोक ठाड़ी तू है गयो,
क्यों पकड़त है हाथ
लँगुरिया दर्शन माँ के मोय करवा लिंदे

(3) मैं परनँगी माँ को प्रेम से,
घर जाऊँगी होत प्रभात,
लँगुरिया दर्शन माँ के मोय करवा लिंदे

(4) जी भर दर्शन माँ के कर लऊँ,
महावीर शीतल होवै गात,
लँगुरिया दर्शन माँ के मोय करवा लिंदे

Languriya Bhajan in Hindi

तर्ज - लांगुरिया

लक्षी पन्ना के पेड़न कौ स्वाद चखाय दे लांगुरिया।
चखाय दे लांगुरिया अरे मोय चखाय दे लांगुरिया।।

(1) शहर हाथरस में बने हैं भारी विख्यात।
लाइन लम्बी लगत है होते ही प्रभात।।
होत ही प्रभात बताऊँ तोको बावरिया

(2) मन खाने को कर रहा उठे ह्रदय में हूक।
टोकन से सौदा मिले तू मत कर दईयो चूक।।
मत कर दईयो चूक समझ मेरी बातें सावरिया

(3) दाल इलायची, केवड़ा करदेय भारी स्वाद।
तबियत खुश हो जात है में हो जाऊं आबाद।।
हो जाऊँ आबाद समझ मेरे मन की लांगुरिया

(4) भीड़ देख लांगुर मेरे मत जइयो घबराय।
इकला तू ना जा सके तो महावीर संग जाय।।
महावीर संग जाय बताय देय तोको डागरिया

languriya bhajan in hindi

मेरे मन में उठी उचंग तू मोय पढ़यो लांगुरिया।

(1) कापी पेंसल संग हैं मैं समझाय रही तोय।
ए०बी०सी०डी० बता के याद करैयो मोय।

मेरे मन में उठी उचंग तू मोय पढ़यो लांगुरिया

(2) सब को शिक्षित कर रही देख भारत सरकार।
6-14 तक मिला शिक्षा का अधिकार।
मेरे मन में उठी उचंग तू मोय पढ़यो लांगुरिया

(3) शिक्षा एक अलमोल रतन है इसको हिलमिल पाऊँ।
पुस्तक, ड्रैस, वजीफा का मैं पूरा लाभ उठाऊँ।
मेरे मन में उठी उचंग तू मोय पढ़यो लांगुरिया

(4) शिक्षा बिगुल बजा रहे देखो शिक्षक भी भरपूर।।
अड़चन कोई नहीं रहे करे समस्या दूर।
मेरे मन में उठी उचंग तू मोय पढ़यो लांगुरिया

(5) मेरे गाँव में विद्यालय है नहीं जाना है दूर।
महावीर के स्कूल में सुविधा है भरपूर।
मेरे मन में उठी उचंग तू मोय पढ़यो लांगुरिया

languriya bhajan lokgeet

तर्ज- माँ का लांगुरिया

लक्षी पन्ना की इमरती मोय खवाय ला लांगुरिया।

(1) असली घी में सिक रही आवै भारी स्वाद।
पुष्टि मेरी बन जायगी हो जाऊँ आवाद।।
हो जाऊँ आवाद बताऊँ तोको बाबरिया।

(2) सुबह सुबह तो लगत है उस पर भारी भीड़।
खाने के शौकीन तो पहुँचत हैं ग्रामीण।
पहुँचत हैं ग्रामीण बताऊँ तोको सामरिया।

(3) ले चलियो मोय साथ में मैं समझाय रही तोय।।
पहले तू चख लीजियो फेर खवइयो मोय।
फेर खवइयो मोय पिवाऊँ पानी गागरिया।

(4) लेके आऊँ मात को लगा दऊँगी भोग।

महावीर तो खुश हो रहे देख ठाड़े देखें लोग।
ठाड़े देखें लोग बताऊँ तोको डांगरिया।

https://pdffile.co.in/